6. David Archard discusses scenarios where individual privacy might be justifiably breached. Evaluate the philosophical and ethical implications of his position.

डेविड आर्चर्ड उन स्थितियों पर विचार करते हैं जहाँ किसी व्यक्ति की निजता का अतिक्रमण न्यायसंगत ठहराया जा सकता है। उनके इस दृष्टिकोण के दार्शनिक और नैतिक निहितार्थों का मूल्यांकन कीजिए।

7. Peter Singer's assertion that animals possess rights invites us to rethink traditional human- centered ethics. Analyze his argument critically.

पीटर सिंगर का यह कथन कि पशुओं के भी अधिकार होते हैं, पारंपरिक मानव - केंद्रित नैतिकता पर पुनर्विचार का आह्वान करता हैं। उनके तर्कों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4533 **J**

Unique Paper Code : 2104000002

Name of the Paper : ETHICS IN PUBLIC DOMAIN

Name of the Course : **Philosophy Generic Elective**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **any five** questions.
3. **All** questions carry equal marks
4. Answers may be written in **Hindi or English** but the same medium should be followed throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. सभी प्रश्न के अंक समांन हैं।
4. इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Is there a core idea or basic requirement that every moral theory must satisfy according to James Rachels? Discuss with the help of examples.

   जेम्स रैचेल्स के अनुसार क्या प्रत्येक नैतिक सिद्धांत को पूरा करने के लिए कोई मूलभूत विचार या आवश्यक शर्त होती है ? उदाहरणों की सहायता से इस पर चर्चा कीजिए ।

2. How does cultural relativism challenge the idea of univesal moral standards? Explain.

   सांस्कृतिक सापेक्षवाद सार्वभौमिक नैतिक मानकों की अवधारणा को किस प्रकार चुनौती देता है? विवेचन कीजिए ।

3. Simone de Beauvoir, in The Married Woman, argues that marriage has historically been an unequal institution for women. Critically examine this argument in the light of gender roles, autonomy, and social expectations.

   'द मैरिड वूमन' में सिमोन द बोउवार ने यह तर्क दिया है कि ऐतिहासिक रूप से विवाह संस्था स्त्रियों के लिए असमान रही है। इस तर्क की लिंग भूमिकाओं, स्वायत्तता और सामाजिक अपेक्षाओं के संदर्भ में समालोचनात्मक समीक्षा कीजिए ।

4. Examine Dr. B. R. Ambedkar's rejection of caste as a moral and social foundation. How does this critique relate to his vision of a just and equitable society?

   डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा जाति को नैतिक तथा सामाजिक आधार के रूप में अस्वीकार किए जाने की समीक्षा कीजिए। उनके इस आलोचनात्मक दृष्टिकोण का न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज की उनकी परिकल्पना से क्या संबंध है?

5. In what ways do social institutions contribute to inequality, according to Amartya Sen? Explain.

   अमर्त्य सेन के अनुसार सामाजिक संस्थाएं किस प्रकार असमानता को जन्म देती हैं? स्पष्ट कीजिए ।